इंटरनेट साथी की सफलता की कहानी

¼1½

व्यक्तिगत जानकारी

फ़ोटो

नाम *शिवानी बैरागी*

उम्र *21 वर्ष* **भिन्न सक्षमः (हाँ/नहीं** ....नही ....

शिक्षा 12 वी **वर्ग(SC/ST/MUSLIM/GEN/OTHERS ---------- OBC ----------------**

वैवाहिक स्थिति (विवाहित/अविवाहित/विधवा/एकल अभिभावक/तलाक शुदा) *अविवाहित*

ज़िला *मण्डला* विकास **खंड** *मोहगांव* **गाँव** *सिंगारपुर*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के पहले के कार्यों का अनुभव *दृ इस कार्यक्रम के पहले मैने लगातार पढ़ाई करने मे ही व्यस्त थी। यह की अपने पढ़ाई मे मन लगाती थी लगन से पढ़ाई करती है जिससे माता पिता का नाम रोशन हो।*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम की जानकारी आपको कैसे प्राप्त हुईः (आंगनवाडी, आशा कार्यकर्ता, सरपंच, परिचित, सी.एस.ओ. टीम) *ब्लॉक समन्वयक ब्रजकुमार के माध्यम से गांव मे पता करते हुए मेरे परिवार से सम्पर्क कर मुझे कार्यक्रम के बारे मे बताया और जानकारी मिले इसके बाद से अपने परिवार वालों की अनुमती से यह काम करना तय किया है।*

<u>इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के पहले -</u>

- **स्थिति का वर्णन करें : (स्मार्ट फ़ोन या इन्टरनेट के बारे में विचार)**

यह कि स्मार्टफोन व इंटरनेट के बारे मे जो कुछ भी कहे कम है क्योंकि इसके पहले मेरे पास कीपैड सेट था उसे से अपना काम करती थी। स्मार्टफोन व इन्टरनेट की उपयोगिता भी मुझे पता नही थी की मेरे लिए क्या उपयोगी होगा। इसीलिए मैने कभी भी सोंचा ही नही था की मेरे पास स्मार्टफोन होना जरूरी है इसमे से फोन काल्स के अलावा भी मै और कई काम कर सकती हूं। स्मार्टफोन के बारे मे प्रशिक्षण के बाद से ही पता चला की मै तो बहुत सारे घर बैठे कर सकती हूं जैसे पढ़ाई मे उपयोगी, जॉब सर्च करने मे उपयोगी, अपने काम को बेहतर बनाने व जीवन की कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कर सकती हूं। इसीलिए मेरे लिए इंटरनेट साथी कार्यक्रम से जुड़ना जरूरी समझी।

- **चुनौतियां : (पारिवारिक बाधाएं, इच्छा की कमी,स्मार्ट फ़ोन या इन्टरनेट नहीं, जानकारी का आभाव, धार्मिक कारण, रीति रिवाज, विश्वास नहीं, सामाजिक बंधन, रुड़ीवादी बाधाएं, भोगोलिक स्थिति)**

परिवार मे किसी के पास भी स्मार्टफोन नही था। लेकिन स्कूल कालेज मे दूसरे के पास जब देखते थे की स्मार्टफोन बहुत सारे साथी उपयोग कर रहे थे तब कभी कभी मन करता था कास मेरे पास भी होता तो अच्छा होता। लेकिन क्या करें घर परिवार की पारिवारिक स्थिति कमजोर होने से जब कभी भी मन बनाया और माता पिता से बोला गया तो मना कर दिया गया यह कह कर की आप क्या करोगे यह तो लड़को के लिए जरूरी होता है। इसी से संतुश्ट होना पड़ता था।

<u>इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के दौरान -</u>

- **ट्रेनिंग की मुख्य सीखें :**

ट्रेनिंग मे बहुत ही अच्छी जानकारी दी गई। यह प्रोग्राम से जुड़कर मुझे बेहद खुशी हुई क्योंकि स्मार्टफोन व इंटरनेट सिखाने के अलावा भी अलग अलग लोगों के पास जाकर मुझे स्वयं को सीखने का मौका मिल रहा है इसी लिए मै

इंटरनेट साथी के रूप मे जुड़कर काम कर रही हूं। स्मार्टफोन चालू बंद करना, कैमरा से फोटो खींचना, गैलरी से फोटो देखना, वीडियो बनाना, इंटरनेट फोन से जोड़ना, वाईफाई जोड़ना आदि बहुत सारी चीजों की जानकारी मिली जो मुझे खुद ही पता नही था वह मैने सीख पायी। दूसरा यह की सिखाने वाले बहुत ही सरल और सहज भाशा एवं आसान तरीके से सिखाया है जिससे मै आसानी से सीख पायी और साथ ही अपने 4 गांव से 700 किशोरी व महिलाओं को भी सिखा पायी।

- **चुनौतियाँ :**

: खुद को स्मार्टफोन सीखना और दूसरे को सिखाना मेरे लिए बहुत ही कठिन लग रहा था।

:–किशोरी तो कहीं न कहीं से जल्दी तैयार हो जाती थी स्मार्टफोन सीखने को लेकिन महिलाऐं डर रही थी सीखने से मना कर रही थी उसे काफी समझाने बुझाने के बाद से सीखने को तैयारी होती थी उसे पहले गाना व वीडियो दिखाने के बहाने फोन पकड़ाते थे तब कही उनका डर खत्म होता था।

–महिलाऐं अपने फोटो खींचने से मना कर रहर थी। फिर उसे बताना पड़ता था की आपके बाजू वाले घर से महिला फोटो खिंचाई है उसने तो मना नही किया फिर आप भी तो एक महिला हमसे इतना क्यों डर रहे हो।

–महिलाओं से उनके पास से स्वयं का समय मांगना पड़ता था।

<u>इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के बाद -</u>

- **व्यक्तिगत बदलाव**

– स्मार्टफोन व इंटरनेट की जानकारी हुई।

– परिवार व अपने गांव के साथ 4 गांव की 700 किशोरी व महिलाओं के साथ अच्छा जुड़ाव हुआ।

– लोगों से आसानी से बातचीत करने सक्षम महसूस कर रही हूं। मेरी स्वयं की झिझक दूर हुई।

– घर से अकेले बाहर निकलने मे मेरी डर खत्म हो गई।

- **सामाजिक बदलाव**

– परिवार व समाज मे वरदान स्वरूप मुझे देखते व मानते है।

– समाज मे मुझे जगह मिली अब मुझे भी सम्मान के साथ बुलाया व बैठाया जाता है।

– समाज की अन्य किशोरी व महिलाओं को स्मार्टफोन व इंटरनेट के अलावा भी और कई चीजों को लेकर जानकारी दी है। और आगे भी प्रयास है समाज को हमेशा आगे ले जाने मे सफल होंगे।

– समाज के लोगों के साथ दूरियां कम हो गई।

<u>इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के विषय में आपकी सोच -</u>

– यह कार्यकम वाकई मुझे बहुत ही अच्छा लगा।

– मैने स्वयं तो सीखा लेकिन मैने 700 लोगों को स्मार्टफोन व इंटरनेट सिखा कर खुश हूं।

– मै चाहती हूं की अगर मुझे थोड़ा बहुत भी सहयोग मिलता रहेगा तो आने वाले समय मे गांव की बची हुई महिलाओं और किशोरियों को भी मै सिखा पाउंगी।

<u>आप भविष्य में क्या बनना चाहती है, आपका सपना क्या है? क्या आपको इसके लिए किसी प्रकार के प्रशिक्षण या सहयोग की ज़रूरत है –</u> मै भविष्य मे अच्छा परामर्शदाता बनना चाहूंगी। मुझे लोगों को मोटीवेशन करने सम्बंधी प्रशिक्षण प्राप्त करने की आवश्यकता है।

व्यक्तिगत जानकारी

नाम *शिवरतिया मरावी*

उम्र *30 वर्ष* **भिन्न सक्षमः (हाँ/नहीं** .... हां ....

शिक्षा– पोस्ट ग्रेजुएट **वर्ग(SC/ST/MUSLIM/GEN/OTHERS ---------- ST ----------------**

वैवाहिक स्थिति (विवाहित/अविवाहित/विधवा/एकल अभिभावक/तलाक शुदा) – *विवाहित*

ज़िला – *डिण्डौरी* विकासखण्ड – *करंजिया* **गाँव** – *सहजना रैयत*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के पहले के कार्यों का अनुभव – *इस कार्यक्रम के पहले मैने कुछ भी काम नही किया है और न ही कोई प्रशिक्षण प्राप्त किया है।*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम की जानकारी आपको कैसे प्राप्त हुईः (आंगनवाडी, आशा कार्यकर्ता, सरपंच, परिचित, सी.एस.ओ. टीम) *इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के बारे मे ब्लॉक समन्वयक जय प्रकाश के द्वारा जानकारी हुई और मै इस कार्यक्रम से जुड़ पायी।*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के अनुभव

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के पहले -

- **स्थिति का वर्णन करें : (स्मार्ट फ़ोन या इन्टरनेट के बारे में विचार)**

स्मार्टफोन और इन्टरनेट की बात करें तो मै पहले से ही उपयोग कर रही हूं तो आसान तो है परन्तु इसके इसके गहराईयों को पता नही होने से अभी हम ज्यादा उपयोगी नही मानते है। घर परिवार के लोगों का भी कहना है कि आप तो अपने काम पर ध्यान दो फोन आपको खाना पीना देने वाला नही है इसीलिए मै ज्यादातर अपने घर के काम मे व्यस्त रहती थी।

स्मार्टफोन के बारे मे प्रशिक्षण के बाद से ही पता चला की मै तो बहुत सारे घर बैठे काम कर सकती हूं जैसे पढ़ाई मे उपयोगी, जॉब सर्च करने मे उपयोगी, अपने काम को बेहतर बनाने व जीवन की कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कर सकती हूं। इसीलिए मेरे लिए इंटरनेट साथी कार्यक्रम से जुड़ना जरूरी समझी।

- **चुनौतियां : (पारिवारिक बाधाएं, इच्छा की कमी,स्मार्ट फ़ोन या इन्टरनेट नहीं, जानकारी का आभाव, धार्मिक कारण, रीति रिवाज, विश्वास नहीं, सामाजिक बंधन, रुड़ीवादी बाधाएं, भोगोलिक स्थिति)**

पारिवारिक बाधायें तो नही थी परन्तु इससे कोई अतिरिक्त लाभ नही होने से उपयोग नही करती थी। स्मार्टफोन था इन्टरनेट नही था। जानकारी का अभाव था, सीखने की इच्छा कम थी, विश्वास मे कमी थी हमे लगता था की यह काम हम नही कर पायेंगे फिर हम क्यों इसके पीछे पड़े आखिरकार हमने इसका उपयोग नही कर पाया।

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के दौरान -

- **ट्रेनिंग की मुख्य सीखें :**

ट्रेनिंग मे बहुत ही अच्छी जानकारी दी गई। यह प्रोग्राम से जुड़कर मुझे बेहद खुशी हुई क्योंकि स्मार्टफोन व इंटरनेट सिखाने के अलावा भी अलग अलग लोगों के पास जाकर मुझे स्वयं को सीखने का मौका मिल रहा है इसी लिए मै इंटरनेट साथी के रूप मे जुड़कर काम कर रही हूं। स्मार्टफोन चालू बंद करना, कैमरा से फोटो खींचना, गैलरी से फोटो देखना, वीडियो बनाना, इंटरनेट फोन से जोड़ना, वाईफाई जोड़ना आदि बहुत सारी चीजों की जानकारी मिली जो मुझे खुद ही पता नही था वह मैने सीख पायी। दूसरा यह की सिखाने वाले बहुत ही सरल और सहज भाशा एवं आसान तरीके से सिखाया है जिससे मै आसानी से सीख पायी और साथ ही अपने 4 गांव से 700 किशोरी व महिलाओं को भी सिखा पायी।

- **चुनौतियाँ :**

:- स्मार्टफोन दूसरे को सिखाना मेरे लिए बहुत ही कठिन लग रहा था।

:– किशोरी तो कहीं न कहीं से जल्दी तैयार हो जाती थी स्मार्टफोन सीखने को लेकिन महिलाऐं डर रही थी सीखने से मना कर रही थी उसे काफी समझाने बुझाने के बाद से सीखने को तैयारी होती थी उसे पहले गाना व वीडियो दिखाने के बहाने फोन पकड़ाते थे तब कही उनका डर खत्म होता था।

—महिलाओं से उनके पास से स्वयं का समय मांगना पड़ता था। जागरूकता की कमी होने से सीखने मे मना करना।

<u>इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के बाद -</u>

- **व्यक्तिगत बदलाव**

— स्मार्टफोन व इंटरनेट की जानकारी हुई।

— परिवार व अपने गांव के साथ 4 गांव की 700 किशोरी व महिलाओं के साथ अच्छा जुड़ाव हुआ।

— मेरी स्वयं की झिझक दूर हुई। घर से अकेले बाहर निकलने मे मेरी डर खत्म हो गई।

— स्वास्थ्य सम्बंधी घरेलु नुक्से भी खोजकर उपयोग कर रहे है।

- **सामाजिक बदलाव**

— समाज मे मुझे जगह मिली अब मुझे भी सम्मान के साथ बुलाया व बैठाया जाता है।

— समाज की अन्य किशोरी व महिलाओं को स्मार्टफोन व इंटरनेट के अलावा भी और कई चीजों को लेकर जानकारी दी है। और आगे भी प्रयास है समाज को हमेशा आगे ले जाने मे सफल होंगे।

— समाज मे अभी भी कुछ पुरानी रीति रिवाज के लोग पुरानी परम्परानुसार जीवन यापन कर रहे है उसे वर्तमान परिथितियों मे ढ़ालने का प्रयास किया गया जो सफल रहा। लोग हमारी बातों को माने और वर्तमान परिवेश मे जीवन यापन करने तैयार हुये।

<u>इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के विषय में आपकी सोच -</u>

— यह कार्यकम वाकई मुझे बहुत ही अच्छा लगा।

— मैने स्वयं तो सीखा लेकिन मैने 700 लोगों को स्मार्टफोन व इंटरनेट सिखा कर खुश हूं।

— मै चाहती हूं की अगर मुझे थोड़ा बहुत भी सहयोग मिलता रहेगा तो आने वाले समय मे गांव की बची हुई महिलाओं और किशोरियों को भी मै सिखा पाउंगी।

<u>आप भविष्य में क्या बनना चाहती है, आपका सपना क्या है? क्या आपको इसके लिए किसी प्रकार के प्रशिक्षण या सहयोग की ज़रूरत है</u> मै भविष्य मे शिक्षक और अच्छा परामर्शदाता बनना चाहूंगी। मुझे लोगों को मोटीवेशन करने सम्बंधी प्रशिक्षण प्राप्त करने की आवश्यकता है।

¼3½

व्यक्तिगत जानकारी

नाम *हेमवती*

उम्र *30 वर्ष* **भिन्न सक्षम: (हाँ/नहीं** ....नही ....

शिक्षा ....12वीं..... **वर्ग(SC/ST/MUSLIM/GEN/OTHERS ---------- OTHER (OBC)--------**

वैवाहिक स्थिति (विवाहित/अविवाहित/विधवा/एकल अभिभावक/तलाक शुदा) *विवाहित*

ज़िला *डिण्डौरी* fodkl **खंड** *समनापुर* **गाँव** *छिंदगांव*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के पहले के कार्यों का अनुभव – *इस कार्यक्रम के पहले मैने सेहद सखी का कार्य किया है जिसमे किशोरी बालिकाऐं, गर्भवती व धात्री माताऐं, नवविवाहिता के साथ बैठक कर स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी देते थे।*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम की □ानकारी आपको कैसे प्राप्त हुई: (आंगनवाडी, आशा कार्यकर्ता, सरपंच, परिचित, सी.एस.ओ. टीम) *ब्लॉक समन्वयक राम कुमार मरकाम के माध्यम से पता चला।*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के अनुभव

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के पहले -

- **स्थिति का वर्णन करें : (स्मार्ट फ़ोन या इन्टरनेट के बारे में विचार)**

इस कार्यक्रम से जुड़ने के पहले स्मार्टफोन तो रखते थे लेकिन कोई खास उपयोगिता पता नही थी। इंटरनेट बहुत ही कम उपयोग करते थे। हमे यह पता था की स्मार्टफोन ज्यादा पढ़े लिखे लोगों के लिए है इसमे लिखना पढ़ना, हिसाब किताब रखना आदि काम भी करते है। इसलिए हमारे लिए इसका उपयोग कम है। परिवार मे बहुत सारे काम होने की वजह से अन्य दूसरे काम मे अपना समय भी नही दे पाते थें इस कारण भी और इस प्रकार के काम से पीछे थे। हमे और लोगों का सहारा ही नही मिल पा रहा था धीरे धीरे परिवार का सहयोग मिलता गया और हम आगे बढ़ते गये। स्वभाविक है कि घर बैठे नई नई जानकारी कैसे मिलेगी।

- **चुनौतियां : (पारिवारिक बाधाएं, इच्छा की कमी,स्मार्ट फ़ोन या इन्टरनेट नहीं, □ानकारी का आभाव, धार्मिक कारण, रीति रिवा□, विश्वास नहीं, सामा□िक बंधन, रुड़ीवादी बाधाएं, भोगोलिक स्थिति)**

– परिवार तो अच्छा था लेकिन यह भी मानना था की आप घर का काम करोगे बाहर के काम मे मत ध्यान दो।

– सामाजिक बंधनों को पार करते हुए आगे बढ़ने का मन नही करता था।

– स्मार्टफोन व इंटरनेट की सही से जानकारी नही होने से दूसरे को सिखाना असंभव जैसे लग रहा था।

– मन मे विश्वास नही होता था की क्या मै इस प्रकार के काम भी कर पायेंगे।

– दूसरे गांव मे आने जाने से कतराना।

– परिवार की मान मर्यादा की काफी परेशान करके रखा था।

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के दौरान -

- **ट्रेनिंग की मुख्य सीखें :**

– इंटरनेट साथी कार्यक्रम बताया गया की आपको अपने गांव सहित 4 गांव की 700 किशोरी व महिलाओं को सिखाना है।
– गांव की किशोरी व महिला को स्मार्टफोन चालू बेद करना, इंटरनेट चालू बंद करना, गूगल आदि का उपयोग भी बतया गया। इसके अलावा भी बच्चों की पढ़ाई मे एक अच्छा शिक्षक हो सकता है।
– लोगों को कैसे मोटीवेशन करना है वह भी तरीका अच्छा रहा है।
– क्षेत्र के हिसाब से लोगों से बातचीत करना, लोगों की जो जरूरी बातें हो उसे फोकस करना आदि सीख मिली।

- **चुनौतियाँ :**

– शुरूआत मे तो परिवार का सहयोग न देना, समाज व गांव के लोगों का हंसी उड़ाना।
– महिलाऐं अपने फोटो खींचने से मना कर रहर थी। सीखने से मना कर देना।
– अपने गांव के अलावा दूसरे गांव मे अकेले आने जाने मे समस्या हो रही थी।

<u>इन्□रने□ साथी कार्यक्रम के बाद -</u>

- **व्यक्तिगत बदलाव**

– सबसे पहले तो मै घर से बाहर निकल पायी।
– लोगों के सामने खुलकर अपनी बात रख पाना।
– अब तो 1–2 क्या 20–30 महिलाओं को इकट्ठे बैठाकर प्रशिक्षण भी दे सकती हूं।
– मेरे हौंसलों को उड़ान मिली, पंख जैसे लग गये है।
– अब अपने आप मे नयापन महसूस कर रही हूं।
– जीवन जीने का नया तरीका व रास्ता मिला।
– झिझक व डर दूर हो गया।

- **सामाजिक बदलाव**

– समाज की धारणा बनी की महिलाओं को स्मार्टफोन सीखना जरूरी है तभी तो परिवार मे कुछ नया कर सकती है।

– बच्चों की पहली गुरू माता होती है इसलिए बच्चों को बोलना सिखाना, चलना सिखाना, खेलना सिखाना आदि मे मदद् कर सकती है।

– घरेलु उपयोग के नये नये व्यंजन भी बनाना सीख सकती है।

– इसके अलावा समाज मे महलाओं के प्रति अच्छी सोंच पैदा हुई।

<u>इन्□रने□ साथी कार्यक्रम के विषय में आपकी सोच -</u>

– साथी का कहना है ऐसे कार्यक्रम करने वाले व चलाने वाले को धन्यवाद् जो हम जैसे चार दिवारी मे ही घुसे रहनी वाल महिला को घर से बाहर निकाला। और हमे आगे कुछ करने व सोंचने का मौका दिया।

– यह कार्यक्रम हमे समाज के बीच अपनी बात रखने के काबिल बनाया इसके लिए बधाई के पात्र है।

– यह कार्यक्रम चलते रहना चाहिए।

<u>आप भविष्य में क्या बनना चाहती है, आपका सपना क्या है? क्या आपको इसके लिए किसी प्रकार के प्रशिक्षण या सहयोग की ज़रूरत है –</u>

– मै भविष्य मे समाजसेवी बनना चाहती हूं।

– समाज के बीच रहना, अपनी बात रखना, दूसरे को भी शक्तिशाली बनाना मेरा उद्धेश्य होगा।

– समाज को और आगे तक ले जाने के लिए मुझे और प्रशिक्षण की जरूरत है वह मुझे समय समय पर मिलता रहे।

¼4½

व्यक्तिगत जानकारी

नाम *जमना मरावी*

उम्र *31 वर्ष* **भिन्न सक्षम: (हाँ/नहीं** ....हां ....

शिक्षा 12 वी **वर्ग(SC/ST/MUSLIM/GEN/OTHERS ---------- ST ----------------**

वैवाहिक स्थिति (विवाहित/अविवाहित/विधवा/एकल अभिभावक/तलाक शुदा) *अविवाहित*

ज़िला *मण्डला* विकास **खंड** *बिछिया* **गाँव** *भीमपुरी*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के पहले के कार्यों का अनुभव – *मै जमना बाई मरावी एक पैर से 60 प्रतिशत विकलांग भी हूं इसी कारण से मेरे माता पिता को आस नही रहती है की मेरी बेटी अगर पढ़ लिख लेगी तो अपने अपना जीवन चला सकती है। लेकिन घर परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से अच्छी पढ़ाई भी नही कर पाई फिर भी सामाजिक क्षेत्र के सम्पर्क मे आने से लग रहा है कि मेरी खुशिया वापस आयी। इस कार्यक्रम के पहले मैने लगातार पढ़ाई करने मे ही व्यस्त थी। 12वीं कक्षा की पढ़ाई के बाद सामाज कार्य स्नातक पाठ्यक्रम बीएसडब्ल्यू मे भाग लिया उसी दरमियान कर्मकार मण्डल मे श्रमिको का सर्वे कार्य भी किया है वह भी पीसी टैब के माध्यम से किया था यह मेरा पहला दौर था जोकि सफल रहा है।*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम की जानकारी आपको कैसे प्राप्त हुई: (आंगनवाडी, आशा कार्यकर्ता, सरपंच, परिचित, सी.एस.ओ. टीम) *ब्लॉक समन्वयक अनिल कुमार के माध्यम से गांव मे पता करते हुए मेरे परिवार से सम्पर्क कर मुझे कार्यक्रम के बारे मे बताया और जानकारी मिले इसके बाद से अपने परिवार वालों की अनुमती से यह काम करना तय किया है।*

अनुभव इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के पहले -

- **स्थिति का वर्णन करें : (स्मार्ट फ़ोन या इन्टरनेट के बारे में विचार)**

यह कि स्मार्टफोन व इंटरनेट के बारे मे मुझे जानकारी नही थी इसके पहले मेरे पास कीपैड सेट था उसी से अपना काम करती थी। स्मार्ट फोन मेरे परिवार मे मेरे भाई के पास था लेकिन उसे तो हमने कभी छूते भी नही थे क्योंकि उसके बारे मे मुझे पता नही था और डर था की कही फोन बिगड़ गया तो मेरे भाई व मम्मी पापा भी मुझे डाटेंगे। फिर बीएसडब्ल्यू की पढ़ाई के दौरान अपने साथ की लड़कियों के पास स्मार्टफोन उसी से मैने सीखा था। क्योंकि सर बोल रहे थे जिससे स्मार्टफोन चलाते आयेगा उसी सर्वे का काम भी मिलेगा तभी मैने सीखी है। कर्मकार मण्डल का सर्वे का कार्य किया था। 5 महीने तक किये थे 2017 मे । इसके पहले मेरे पास स्मार्टफोन नही था।

स्मार्टफोन के बारे मे गहराई से प्रशिक्षण के बाद से ही पता चला। यह फोन अपने काम को बेहतर बनाने व जीवन की कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कर सकती हूं। इसीलिए मेरे लिए इंटरनेट साथी कार्यक्रम से जुड़ना जरूरी समझी।

- **चुनौतियां : (पारिवारिक बाधाएं, इच्छा की कमी,स्मार्ट फ़ोन या इन्टरनेट नहीं, जानकारी का आभाव, धार्मिक कारण, रीति रिवाज, विश्वास नहीं, सामाजिक बंधन, रुड़ीवादी बाधाएं, भोगोलिक स्थिति)**

परिवार मे स्मार्टफोन था लेकिन क्या करें घर परिवार की पारिवारिक स्थिति कमजोर होने से जब कभी भी मन बनाया और माता पिता से बोला गया तो मना कर दिया गया । चुनौतियां तो मेरे स्वयं मे ही काफी आयी क्योंकि मे

विकलांग होने की वजह से सही से चल पाना भी मुश्किल था मेरी लिए क्योंकि कही भी काम करोगे तो घर से बाहर अकेले भी जाना पड़ सकता है और वह मेरे से हो नही पा रहा था। काफी समस्याओं का सामना कर रहे थे यह देखते हुए मेरे मम्मी पापा जयपुर से क्रत्तिम पैर भी लगवाया जिसके सहारे अब मै अकेले भी चल पा रही हूं।

अनुभव **इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के दौरान -**

- **ट्रेनिंग की मुख्य्य सीखें :**

ट्रेनिंग मे बहुत ही अच्छी जानकारी दी गई। क्योंकि इसके पहले मेरे पास मोबाईल फोन भी नही था पढ़ाई के दौरान इस कार्यक्रम के पहले मुझे पीसी टैब सर्वे करने हेतु मिला था उसी से मै चलाना सीखी थी लेकिन सही से चलाना पूरी तरह नही आ रहा था। यह प्रोग्राम से जुड़कर मुझे बेहद खुशी हुई क्योंकि स्मार्टफोन व इंटरनेट सिखाने के अलावा भी अलग अलग लोगों के पास जाकर मुझे स्वयं को सीखने का मौका मिल रहा है इसी लिए मै इंटरनेट साथी के रूप मे जुड़कर काम कर रही हूं। स्मार्टफोन चालू बंद करना, कैमरा से फोटो खींचना, गैलरी से फोटो देखना, वीडियो बनाना, इंटरनेट फोन से जोड़ना, वाईफाई जोड़ना आदि बहुत सारी चीजों की जानकारी मिली जो मुझे खुद ही पता नही था वह मैने सीख पायी साथ ही अपने 4 गांव से 700 किशोरी व महिलाओं को भी सिखा पायी।

- **चुनौतियाँ :**

– खुद को स्मार्टफोन सीखना और दूसरे को सिखाना मेरे लिए बहुत ही कठिन था।
– स्मार्टफोन सीखने को महिलाऐं डर रही थी सीखने से मना कर रही थी।
– महिलाऐं अपने फोटो खींचने से मना कर रहर थी।
– अपने गांव के अलावा दूसरे गांव मे अकेले आने जाने मे समस्या हो रही थी।

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के बाद -

- **व्यक्तिगत बदलाव**

– स्मार्टफोन व इंटरनेट की जानकारी हुई जिससे मै खुश हूं।
– परिवार व अपने गांव के साथ 4 गांव की 700 किशोरी व महिलाओं के साथ अच्छा जुड़ाव हुआ।
– लोगों से आसानी से बातचीत करने सक्षम महसूस कर रही हूं।
– मेरी स्वयं की झिझक दूर हुई घर से अकेले बाहर निकलने मे मेरी डर खत्म हो गई।
– स्वयं मे ताकत मिली की अब मै बड़ा से बड़ा काम कर सकती हूं।
– लोगों को मोटीवेशन करने की क्षमता आयी।
– समस्याओं को सुलझाने मे अपने आप को मजबूत बनाया।

- **सामाजिक बदलाव**

– परिवार व समाज मे मुझे इस प्रकार से देख रहे है जैसे मै अब सक्षम और ताकतवर लड़की हूं यह मुझे बेहद अच्छा लगा। मै समझी की अब मुझे कोई काम ऐसा नही होजा जो मै नही कर सकती हूं।
– समाज मे मुझे जगह मिली मुझे सम्मान के साथ देखा जाता है। समाज के लोगों के साथ दूरियां कम हो गई।
– समाज की अन्य किशोरी व महिलाओं को स्मार्टफोन व इंटरनेट के अलावा भी और कई चीजों को लेकर जानकारी दी है। यह कि समाज के लोगों मे उत्सुकता जगी और अपने आय को इंटरनेट के जरिये बेहतर बनाने मे मदद् मिली इससे आमदनी बढेगी।

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के विषय में आपकी सोच -

– मैने स्वयं तो सीखा लेकिन मैने 700 लोगों को स्मार्टफोन व इंटरनेट सिखा कर खुश हूं।
– यह कार्यक्रम को और लम्बे समय तक चलाने की जरूरत महसूस हा रही है।
– लोगों को बदलने का आसान तरीका देखा गया इंटरनेट व स्मार्टफोन।

आप भविष्य में क्या बनना चाहती है, आपका सपना क्या है? क्या आपको इसके लिए किसी प्रकार के प्रशिक्षण या सहयोग की ज़रूरत है –

वैसे तो अपने स्थिति अनुसार मैने सिलाई करना प्रारम्भ की थी जो की थोड़े से पैसे मे अपनी स्वयं की जरूरतों को पूरा कर पा रही थी । मेरा सपना है की अब मै स्वयं सिंलाई तो करती हूं इससे आमदनी बढ़ाकर मुझे एक बेहतर सिंलाई सेंटर स्थापित करना है।

व्यक्तिगत जानकारी

नाम *शिवकुमारी साहू*

उम्र *33 वर्ष* **भिन्न सक्षमः (हाँ/नहीं** ....नही ....

शिक्षा ....स्नातक..... **वर्ग(SC/ST/MUSLIM/GEN/OTHERS ---------- OTHER (OBC)--------**

वैवाहिक स्थिति (विवाहित/अविवाहित/विधवा/एकल अभिभावक/तलाक शुदा) *विवाहित*

ज़िला *डिण्डौरी* fodkl **खंड** *बजांग* **गाँव** *पड़रिया डोंगरी*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के पहले के कार्यों का अनुभव *– इस कार्यक्रम के पहले मैने प्रायवेट स्कूल मे टीचिंग का कार्य 2 वर्ष किया है । वह भी स्मार्टफोन व इंटरनेट से सम्बंधित नही था।*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम की जानकारी आपको कैसे प्राप्त हुईः (आंगनवाडी, आशा कार्यकर्ता, सरपंच, परिचित, सी.एस.ओ. टीम) *ब्लॉक समन्वयक यवंतिया मरावी के माध्यम से पता चला। पुराना परिचय था यवंतिका से बातचीत होती रहती थी की जब कभी भी ऐसा काम मिले तो हमे बताईयेगा ऐसे ही हमारे साथी यवंतिका के माध्यम से पता चला है।*

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के अनुभव

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के पहले -

- **स्थिति का वर्णन करें : (स्मार्ट फ़ोन या इन्टरनेट के बारे में विचार)**

स्मार्टफोन के बारे मे गहराई से प्रशिक्षण के बाद से ही पता चला। यह फोन अपने काम को बेहतर बनाने व जीवन की कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कर सकती हूं। इसीलिए मेरे लिए इंटरनेट साथी कार्यक्रम से जुड़ी। मेरे पास स्मार्टफोन तो था पर सही से चलाना नही आता था। और न ही कभी ऐसी उम्मीद करी थी इस प्रकार से मेरा काम होगा। पर इस प्रकार से काम मिला मुझे खुशी हुई। प्रशिक्षण से सीखकर अब मै सही से सिखा पाने मे सक्षम समझ रही हूं।

- **चुनौतियां : (पारिवारिक बाधाएं, इच्छा की कमी,स्मार्ट फ़ोन या इन्टरनेट नहीं, जानकारी का आभाव, धार्मिक कारण, रीति रिवाज, विश्वास नहीं, सामाजिक बंधन, रुढ़ीवादी बाधाएं, भोगोलिक स्थिति)**

परिवार व समाज से किसी प्रकार से कोई समस्या तो नही थी और न ही महसूस हुई । लेकिन मेरे स्वयं मे विश्वास नही हो पा रहा था कि इस प्रकार से काम मै कर पाऊंगी भी की नही।

हमारे क्षेत्र की परिस्थितियां का अवलोकन भी किया जाये तो काफी पिछड़ा हुआ और जंगलों के बीच बसाहट वाला क्षेत्र है जिसके कारण से अकेले आने जाने मे साहस जुटा पाना काफी मुश्किल लग रहा था।

इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के दौरान -

- **ट्रेनिंग की मुख्य सीखें :**

– इंटरनेट साथी कार्यक्रम की सीख से मेरे हौंसलों को बुलंद कर दिया जिससे मेरी ताकत और बढ़ गई।
– सीखने सिखाने की पद्धति को ट्रेनिंग के दौरान बहुत ही आसान कर दिया गया।
– लोगों को कैसे मोटीवेशन करना है वह भी तरीका अच्छा रहा है।
– ट्रेनिंग मे ट्रेनर बहुत ही आसान तरीका व बोली भाषा का उपयोग करते थे जिससे समझने मे आसानी हुई।

- **चुनौतियाँ :**

– स्मार्टफोन सीखने को महिलाऐं डर रही थी सीखने से मना कर रही थी।
– महिलाऐं अपने फोटो खींचने से मना कर रहर थी।
– अपने गांव के अलावा दूसरे गांव मे अकेले आने जाने मे समस्या हो रही थी।
– आवागमन के साधन क्षेत्र मे कम थे जिससे गांव मे जाते आते समय काफी समस्या होती थी।

<u>इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के बाद -</u>

- **व्यक्तिगत बदलाव**

– स्मार्टफोन व इंटरनेट की जानकारी हुई ।
– परिवार व अपने गांव के साथ 4 गांव की 700 किशोरी व महिलाओं के साथ अच्छा जुड़ाव हुआ।
– लोगों से आसानी से बातचीत करने सक्षम महसूस कर रही हूं।
– समस्याओं को सुलझाने मे अपने आप को मजबूत बनाया।
– इस कार्यक्रम मे जुड़ने के बाद से साथी को लगा की हम महिलाऐं भी किसी पुरूष से कम नही है हम भी अच्छा काम कर सकती है। साथी शिवकुमारी के हौंसले बुलंद हुऐ और उसने एक व्यवसाय का चयन कर काम करना शुरू कर दिया। व्यवसाय की बात करें तो साथी शिवकुमारी ने अपने घर मे किराना दुकान का व्यवसाय शुरू किया यह कि उसे अपने मोहल्ले की मांग व जरूरत को देखकर उसने किराना व्यवसाय करना चाहा और अपने परिवार से अपने पति को भी सलाह दिया की आपको अपने व्यवसाय मे परिवर्तन करना पड़ेगा तभी हम अपने परिवार को सही ढंग से चला पायेंगे। इसीलिए उन्होने सोंचा की हमे अपने एरिया के हिसाब से आटो खरीदना चाहिए तभी उन्होने आटो फाईनेंस काराया और अपने ही एरिया मे चलाने लगे। आज शिवकुमारी साथी के परिवार मे देखा जाये तो दुकान से 1500 रूपये महीने की आय होती है वही परिवार मे आटो से 3000 से 4000 रूपये महीने मे आय होती है अब वह आसानी से अपने परिवार को खुशियों से भर दिया है।

- **सामाजिक बदलाव**

– समाज मे मुझे जगह मिली मुझे सम्मान के साथ देखा जाता है। समाज के लोगों के साथ दूरियां कम हो गई।
– समाज की अन्य किशोरी व महिलाओं को स्मार्टफोन व इंटरनेट के अलावा भी और कई चीजों को लेकर जानकारी दी है। यह कि समाज के लोगों मे उत्सुकता जगी और अपने आय को इंटरनेट के जरिये बेहतर बनाने मे मदद् मिली इससे आमदनी बढेगी।
– मेरे परिवार व समाज मे भी काफी बदलाव देखने मे आया है। मेरा सपोर्ट भी कर रहे है आने जाने व आर्थिक रूप से मदद् करते है जिससे मै और आगे बढ़ सकती हूं।

<u>इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के विषय में आपकी सोच -</u>

– यह कार्यक्रम को और लम्बे समय तक चलाने की जरूरत महसूस हा रही है।
– लोगों को बदलने का आसान तरीका देखा गया इंटरनेट व स्मार्टफोन।
– कार्यक्रम की सीख से महिलाओं की आमदनी मे बढ़ोत्तरी होगी।
– यह कार्यक्रम बच्चों की पढ़ाई आदि मे सहयोग करता है ।

<u>आप भविष्य में क्या बनना चाहती है, आपका सपना क्या है? क्या आपको इसके लिए किसी प्रकार के प्रशिक्षण या सहयोग की ज़रूरत है –</u>

यह कार्यक्रम से अपेक्षा है की और आगे तक हमे जोड़कर रखेगा जिससे हम और अधिक से अधिक लोगों को सिखा पायेंगे। यह भी है की बीच बीच मे और हमे ट्रेनिंग मिलती रहेगी तो अच्छा होगा।

<u>लाभार्थी की कहानी</u>

नाम – श्रीबती

उम्र: *35 वर्ष*

शिक्षा: *6 वीं*

भिन्न सक्षम: (हाँ/नहीं नही

ज़िला – डिण्डौरी fodkl [k.M – समनापुर **गाँव** – देवलपुर

वर्ग(SC/ST/MUSLIM/GEN/OTHERS): OTHER

वैवाहिक स्थिति (तलाकशा/एकल अभिभावक/विधवा/अविवाहित/विवाहित) – विधवा

इंटरनेट साथी □सने लाभार्थी को सिखाया नाम ममता ठाकुर **आईडी** – <u>PHAMP50042</u>

इंटरनेट साथी ने आपको क्या-क्या सिखाया . –

स्मार्टफोन यह कीपैड मोबाईल फोन से अलग है। स्मार्टफोन से अच्छी प्रकार की फोटो खींची जा सकती है।

स्मार्टफोन से इन्टरनेट व गूगल का प्रयोग कर गाने, वीडियो, चित्र देख सकते है इसके अलावा भी अपने घेरेलु उपयोग की दैनिक वस्तुओं का भी नये नये डिजाईन सीखा जा सकता है।

स्मार्टफोन मे इन्टरनेट जोड़ना, वाई फाई से जोड़ना, गैलरी से फोटो देखना, वीडियो बनाना, मेंहदी की डिलाईन, सिलाई मे कटिंग करना व डिजाईन बनाना भी सिखाया गया।

यूट्यूब के माध्यम से ब्यूटीपार्लर का काम सीखा है। घरेलु काम के तौर तरीके सीखा है। न्यूज व अन्य समाचार भी इसके माध्यम से देख सकते है।

आपने □ो इंटरनेट और स्माट्र्फोन पर सीखा, उससे आपको क्या लाभ हुआ –

लाभार्थी श्रीबती का कहना है की स्मार्टफोन, इन्टरनेट व गूगल का प्रयोग ने मुझे रोजगार दिया जिससे सीखकर मै ब्यूटीपार्लर चलाती हूं इसमे खास बता तो यह है कि मैने पार्लर सम्बंधी नये तरीके आदि का उपयोग कर रही हूं जिससे मेरी दुकान मे पहले की अपेक्षा हितग्राही का आना ज्यादा हुआ है और मै पहले से ज्यादा पैसा भी कमा रही हूं पहले की अपेक्षा 500 से 1000 रूपये तक ज्यादा आय होती है।

यही बस नही मैने तो सिलाई का काम भी सीख लिया है। अभी घर पर ही सिलाई का काम भी कर रही हूं दूसरे सिलाईकर्ता से मैने कुछ अलग प्रकार के गूगल यूट्यूब के प्रयोग से डिजाईन बनाना सीखा और प्ररम्भ किया जिससे हितग्राही डिजाईन आदि काम भी देखकर मेरे यहां ज्यादा काम कराने आते है। इससे भी मै महीने मे 1000 से 1500 रूपये तक आय प्राप्त करती हूं।

इन सभी काम को देखते हुए मेरे मे काफी बदलाव हुआ है। मै अपने आप किसी से कम नही समझती हूं।

<u>लाभार्थी की कहानी</u>

नाम – राज कुमारी साहू

उम्र: *37 वर्ष*

शिक्षा: *6 वीं*

भिन्न सक्षम: (हाँ/नहीं नही

ज़िला – मण्डला fodkl [k.M – घुघरी **गाँव** – नैझर

वर्ग(SC/ST/MUSLIM/GEN/OTHERS): OTHER

वैवाहिक स्थिति (तलाकशा/एकल अभिभावक/विधवा/अविवाहित/विवाहित) – विवाहित

इंटरनेट साथी िसने लाभार्थी को सिखाया नाम शिवकुमारी साहू **आईडी** – <u>PHAMP50105</u>

इंटरनेट साथी ने आपको क्या-क्या सिखाया . –

राजकुमारी साहू जो की गांव मे रहने वाली साधारण महिला है । यह अपने घर के काम काज मे ही लगी रहती है इसके अलावा जो भी समय बचता अपने खेत मे खेती किसानी मे परिवार के साथ हाथ बटाती। इन्टरनेट साथी शिवकुमारी साहू के सम्पर्क मे आने से इनकी खुशी देखते बनती है।

यह की इन्टरनेट साथी के द्वारा लाभार्थी को बताया गया कि आपको अपने जीवन मे स्मार्टफोन व गूगल का उपयोग काफी बदलाव ला सकता है। अगर आपने इसका उपयोग नही किया तो अब जरूर करिये। स्मार्टफोन यह कीपैड मोबाईल फोन से अलग है। स्मार्टफोन से अच्छी प्रकार की फोटो खींची जा सकती है।

स्मार्टफोन से इन्टरनेट व गूगल का प्रयोग कर गाने, वीडियो, चित्र देख सकते है इसके अलावा भी अपने घेरेलु उपयोग की दैनिक वस्तुओं का भी नये नये डिजाईन सीखा जा सकता है। स्मार्टफोन मे इन्टरनेट जोड़ना, वाई फाई से जोड़ना, गैलरी से फोटो देखना, वीडियो बनाना, मेंहदी की डिलाईन, सिलाई मे कटिंग करना व डिजाईन बनाना भी सिखाया गया।यह भी बताया गया की आप खेती किसानी का काम करते है उसमे भी गूगल यूट्यूब से फसल लगाने व उत्तम खाद बीज का प्रयोग भी सीख सकते है जिससे आपकी आमदनी बढ़ेगी।

आपने ो इंटरनेट और स्मार्ट्फोन पर सीखा, उससे आपको क्या लाभ हुआ –

इन्टरनेट व स्मार्टफोन सीखकर मेरे जीवनकाल मे काफी बदलाव देखने मे आया है। सबसे पहले बात करे फोन उपयोग की तो मैने स्मार्टफोन इसके पहले कभी भी उपयोग नही की थी लेकिन इन्टरनेट साथी ने जबसे मुझे सिखाया मेरी आस बढ़ गई और मैने अपने परिवार मे जो स्मार्टफोन था उसका धीरे उपयोग करना शुरू कर दी काफी दिन लगे मुझे सीखने मे परन्तु मैने हार नही मानी अपने प्रयास को लगातार बनाये रखी मुझे सफलता हासिल हुई।

सबसे पहले मैने भोज्य पदार्थ को नये तरीके से बनाना सीखी, खाने के गुणवत्ता मे बदलाव आया और परिवार मे मेरी बड़ाई हुई की आपने बहुत ही स्वादिष्ट खाना बनाना सीख गई है।

नास्ता मे पोहा मीठा बनाना, गाजर का हलुवा बनाना, जलेबी बनाना, नमकीन बनाना सीख गई जिससे अब घर मे बनाती हूं इसके अलावा दूसरे के यहां शादी विवाह व अन्य उत्सव मे भी बनाकर मैने इस वर्ष सीजन मे 2000 रूपये कमाया था। मेंहदी लगाना भी सीखा है जिससे शादी के समय मे 500 रूपये कमाये थे। कहा जाये तो मै अब स्वयं रोजगार से अपने खर्च के लिए पैसे कमा लेती हूं मुझे परिवार के सामने अपने खर्च के लिए पैसे नही मांगनी पड़ती है।

इस प्रकार से बदलती दुनिया मे समय के साथ मै बदलती रहूंगी यह बदलाव मेरे मे देखने मे आया है।

लाभार्थी की कहानी

नाम – ममता बाई।

उम्र: *30 वर्ष*

शिक्षा: *12 वीं*

भिन्न सक्षम: (हाँ/नहीं नही

ज़िला – डिण्डौरी fodkl [k.M – करंजिया **गाँव** – बोंदर

वर्ग(SC/ST/MUSLIM/GEN/OTHERS): OTHER

वैवाहिक स्थिति (तलाकशा/एकल अभिभावक/विधवा/अविवाहित/विवाहित) – एकल अभिभावक

इंटरनेट साथी िसने लाभार्थी को सिखाया नाम आरती तिवारी **आईडी** – PHAMP50072

इंटरनेट साथी ने आपको क्या-क्या सिखाया . –

स्मार्टफोन से फोन लगाना और रिसीव करना।

स्मार्टफोन से अच्छी प्रकार की फोटो खींची जा सकती है।

प्लेस्टोर से डाउनलोड करना।

कैल्कुलेटर चलाना।

स्मार्टफोन से इन्टरनेट व गूगल का प्रयोग कर गाने, वीडियो, चित्र देख सकते है इसके अलावा भी अपने घेरेलु उपयोग की दैनिक वस्तुओं का भी नये नये डिजाईन सीखा जा सकता है।

स्मार्टफोन मे इन्टरनेट जोड़ना, वाई फाई से जोड़ना, गैलरी से फोटो देखना, वीडियो बनाना, मेंहदी की डिलाईन, सिलाई मे कटिंग करना व डिजाईन बनाना भी सिखाया गया।

आपने ो इंटरनेट और स्मार्टफ़ोन पर सीखा, उससे आपको क्या लाभ हुआ –

लाभार्थी ममता बाई मै अपने गांव मे ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हूं। हमे स्मार्टफोन चलाना तो आता था परन्तु इसके अन्दर बहुत सी बारीकियों को गहराई से देख पाना मुश्किल था। अपने विभाग से सम्बंधित व अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी की जरूरत होती तो सीधे ब्लॉक आफिस का चक्कर काटने पड़ते थे और अब जब से इन्टरनेट साथी के द्वारा इन्टरनेट व गूगल का उपयोग करना व सरकारी व गैर सरकारी बेबसाईट की पहचान करना सिखाया बताया गया तो अब मै आसानी से अपनी जरूरत की जानकारी को गूगल के माध्यम से देख पाती हूं।

विभाग के समय समय पर निकलने वाले आदेश को ढूढ़कर पड़ लेती हूं जानकारी अपडेट कर लेती हूं। प्लेस्टोर से अपने उपयोग मे आने वाले एप्स को भी डाउनलोड कर रखी हूं जिससे मुझे मदद मिलती है। आगे आपको बताना चाहेंगे की आंगनवाड़ी मे बच्चे, किशोरी व महिला सभी का जुड़ाव है हम टीकाकरण भी करवाते है, स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाते है। इसके लिए क्या जरूरी है कब और कितने टीके लगना अनिवार्य है, स्वास्थ्य जांच कब कराना जरूरी है आदि गूगल के माध्यम से देखकर लोगों को सेवाये दे रहे है।

लाभार्थी की कहानी

नाम – कु, भारती हरदहा

उम्र: *17 वर्ष*

शिक्षा: *10 वीं*

भिन्न सक्षम: (हाँ/नहीं नही

ज़िला – मण्डला fodkl [k.M – घुघरी **गाँव** – गजराज

वर्ग(SC/ST/MUSLIM/GEN/OTHERS): OTHER

वैवाहिक स्थिति (तलाकशा/एकल अभिभावक/विधवा/अविवाहित/विवाहित) – अविवाहित

इंटरनेट साथी ि□सने लाभार्थी को सिखाया नाम आरती हरदहा **आईडी** – PHAMP50219

इंटरनेट साथी ने आपको क्या-क्या सिखाया . –

स्मार्टफोन यह कीपैड मोबाईल फोन से अलग है। स्मार्टफोन से अच्छी प्रकार की फोटो खींची जा सकती है।

स्मार्टफोन से इन्टरनेट व गूगल का प्रयोग कर गाने, वीडियो, चित्र देख सकते है इसके अलावा भी अपने घेरेलु उपयोग की दैनिक वस्तुओं का भी नये नये डिजाईन सीखा जा सकता है।

स्मार्टफोन मे इन्टरनेट जोड़ना, वाई फाई से जोड़ना, गैलरी से फोटो देखना, वीडियो बनाना, मेंहदी की डिलाईन, सिलाई मे कटिंग करना व डिजाईन बनाना भी सिखाया गया।

आपने □ो इंटरनेट और स्मार्ट्फोन पर सीखा, उससे आपको क्या लाभ हुआ –

लाभार्थी भारती हरदहा 10 वीं कक्षा का छात्रा है। अपने पढ़ाई काल व दैनिक जीवन काल मे स्मार्टफोन का उपयोग जितना अच्छा समझती है उससे कहीं ज्यादा हानिकारक भी मानती है। यह की लोगों का मानना है कि आज के लोग स्मार्टफोन व इन्टरनेट के उपयोग से अनावश्यक सूचनाओं का आदान प्रदान कर रहा है जिससे बाहरी दुनिया मे काफी प्रभाव भी देखने मे आया है यही कारण की भारती को उसके परिवार जनों से स्मार्टफोन चलाने नही दिया जाता था लेकिन इन्टरनेट साथी द्वारा जब लाभार्थी को सिखाया गया स्मार्टफोन चलाना तब से उसके पढ़ाई व सिलाई काम काफी बदलाव हुआ है इससे उसके परिवार वालों ने यह देखकर काफी खुश कि बेटी पढ़ाई मे गूगल के प्रयोग से अपने विषय की जानकारी बढ़ लेती है। साथ ही सिलाई काम काफी बदलाव आया है कयोंकि अब उसने सिलाई के नये नये तरीके का उपयोग कर काफी आमदनी को बढ़ा लिया है। पहले की अपेक्षा सिलाई मे हर महीने 1000 रूपये की वृद्धि हुई है। अब आगे भी मेरा मानना है कि मै और अपने व्यवसाय को बढ़ा सकती हूं ताकि मै अपने खर्चे के लिए स्वयं के काम से पैसा कमा सकती हूं। यह बदलाव मेरे व मेरे परिवार के लिए संतोषजनक है।

/kU;okn!